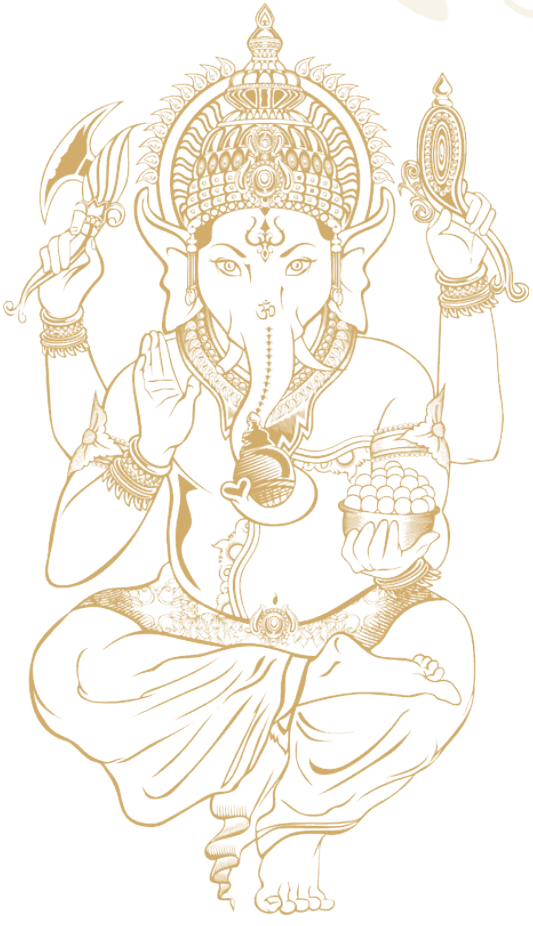

Sonali Kumari

17 Oct 1999

07:30 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120947910

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/10/1999**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:30:00 घंटे**
इष्ट	04:12:49 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:40:00 घंटे
वेलान्तर	00:14:31 घंटे
साम्पातिक काल	09:20:34 घंटे
सूर्योदय	05:48:52 घंटे
सूर्यास्त	17:21:53 घंटे
दिनमान	11:33:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:24:24 कन्या
लग्न के अंश	20:59:26 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सुकर्मा
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	20:59:26	315:20:48	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			कन्या	29:24:24	00:59:31	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			धनु	23:26:25	11:57:46	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	06:09:45	00:43:16	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	22:23:19	01:15:18	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	06:58:48	00:08:00	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	13:42:27	00:52:03	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	21:26:30	00:04:17	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	15:57:36	00:00:36	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	15:57:36	00:00:36	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:01:42	00:00:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:44:24	00:00:06	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	14:48:46	00:01:47	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	23:50:36	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:00

लग्न-चलित

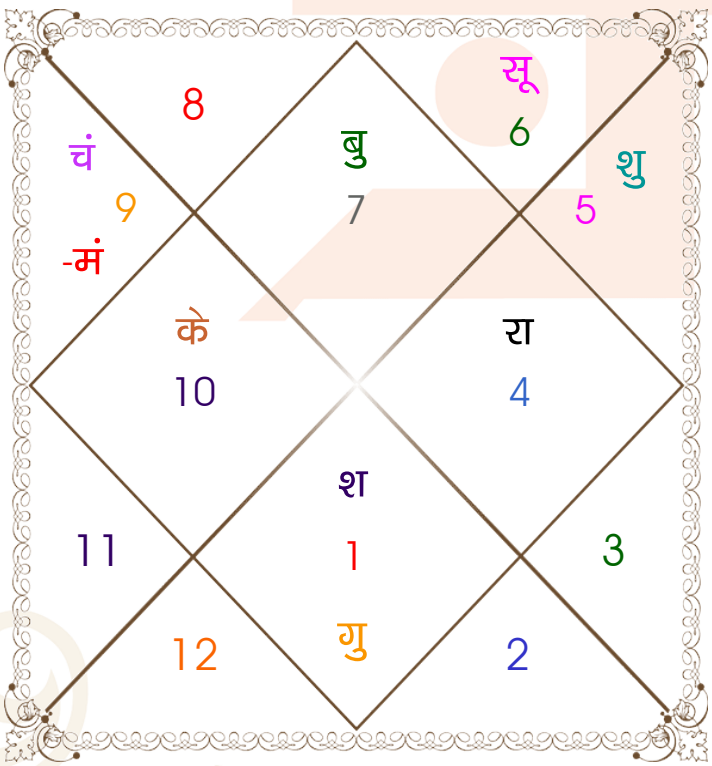

चन्द्र कुंडली

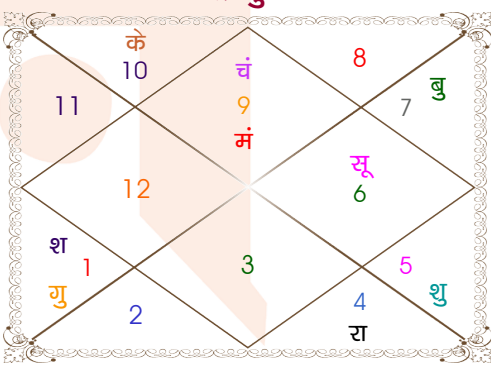

नवमांश कुंडली

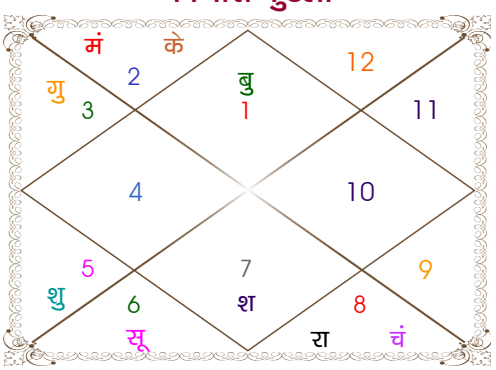

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 10 मास 2 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/10/1999		18/08/2004		19/08/2010		18/08/2020		19/08/2027	
18/08/2004		19/08/2010		18/08/2020		19/08/2027		19/08/2045	
	00/00/0000	सूर्य	06/12/2004	चंद्र	19/06/2011	मंगल	15/01/2021	राहु	01/05/2030
	00/00/0000	चंद्र	07/06/2005	मंगल	18/01/2012	राहु	02/02/2022	गुरु	24/09/2032
	00/00/0000	मंगल	12/10/2005	राहु	19/07/2013	गुरु	09/01/2023	शनि	01/08/2035
	00/00/0000	राहु	06/09/2006	गुरु	18/11/2014	शनि	18/02/2024	बुध	17/02/2038
	00/00/0000	गुरु	25/06/2007	शनि	19/06/2016	बुध	14/02/2025	केतु	08/03/2039
	17/10/1999	शनि	06/06/2008	बुध	18/11/2017	केतु	13/07/2025	शुक्र	08/03/2042
शनि	18/08/2000	बुध	13/04/2009	केतु	19/06/2018	शुक्र	12/09/2026	सूर्य	30/01/2043
बुध	19/06/2003	केतु	19/08/2009	शुक्र	18/02/2020	सूर्य	18/01/2027	चंद्र	31/07/2044
केतु	18/08/2004	शुक्र	19/08/2010	सूर्य	18/08/2020	चंद्र	19/08/2027	मंगल	19/08/2045

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/08/2045		19/08/2061		18/08/2080		19/08/2097		19/08/2104	
19/08/2061		18/08/2080		19/08/2097		19/08/2104		00/00/0000	
गुरु	07/10/2047	शनि	21/08/2064	बुध	15/01/2083	केतु	15/01/2098	शुक्र	20/12/2107
शनि	19/04/2050	बुध	02/05/2067	केतु	12/01/2084	शुक्र	17/03/2099	सूर्य	19/12/2108
बुध	25/07/2052	केतु	09/06/2068	शुक्र	12/11/2086	सूर्य	23/07/2099	चंद्र	20/08/2110
केतु	01/07/2053	शुक्र	10/08/2071	सूर्य	19/09/2087	चंद्र	21/02/2100	मंगल	20/10/2111
शुक्र	01/03/2056	सूर्य	22/07/2072	चंद्र	17/02/2089	मंगल	20/07/2100	राहु	20/10/2114
सूर्य	18/12/2056	चंद्र	20/02/2074	मंगल	14/02/2090	राहु	07/08/2101	गुरु	20/06/2117
चंद्र	19/04/2058	मंगल	01/04/2075	राहु	03/09/2092	गुरु	14/07/2102	शनि	18/10/2119
मंगल	26/03/2059	राहु	05/02/2078	गुरु	10/12/2094	शनि	23/08/2103		00/00/0000
राहु	19/08/2061	गुरु	18/08/2080	शनि	19/08/2097	बुध	19/08/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 9 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति की प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगी। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन के सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगी। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगी।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगी। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय महिला हैं। अगर आप अपने जीवन संगी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकी तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगी। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपके पति आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेंगे तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगी।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाली प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगी। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहती हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।